एम.ए.एच.

# एम.ए. (इतिहास)
## द्वितीय वर्ष

# सत्रीय कार्य
**2023-2024**

## एम.ए. इतिहास द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए
## जुलाई 2023 और जनवरी 2024 सत्रों के लिए

| | | |
|---|---|---|
| एम.एच.आई.-03 | : | इतिहास-लेखन |
| एम.एच.आई.-06 | : | भारत में विभिन्न युगों के दौरान सामाजिक संरचना का विकास |
| एम.एच.आई.-08 | : | भारत में पारिस्थितिकी और पर्यावरण का इतिहास |
| एम.एच.आई.-09 | : | भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन |
| एम.एच.आई.-10 | : | भारत में नगरीकरण |
| एम.पी.एस.ई.-003 | : | पश्चिम राजनैतिक चिंतन (प्लेटो से मार्क्स तक) |
| एम.पी.एस.ई.-004 | : | आधुनिक भारत में सामाजिक एवं राजनैतिक चिंतन |

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

इतिहास संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110068

# एम.ए. इतिहास (द्वितीय वर्ष)
# सत्रीय कार्य
## जुलाई 2023 और जनवरी 2024 सत्रों के लिए

प्रिय विद्यार्थी,

आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य अनिवार्य हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है।

सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर आप अपने शब्दों में दें। यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रश्न का उत्तर जितने शब्दों में देने के लिए कहा जाए उसका उत्तर लगभग उतने ही शब्दों में दीजिए।

सत्रीय कार्य पूरा करने के बाद आप इसे अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास जमा करें। सत्रीय कार्य जमा करने के बाद इसकी पावती अवश्य प्राप्त कर लें और इसे अपने पास संभाल कर रख लें। अच्छा हो कि आप अपने सत्रीय कार्यों के उत्तर की फोटोकॉपी भी अपने पास रख लें।

सत्रीय कार्यों के उत्तर जाँचने के बाद जाँचे गये उत्तर अध्ययन केन्द्र से आपको लौटा दिए जाएँगे। आप इसकी माँग अवश्य करें। अध्ययन केन्द्र आपके द्वारा प्राप्त अंक **विद्यार्थी पंजीकरण एवं मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, दिल्ली** को भेज देगा। इसे आपके ग्रेड कार्ड में शामिल कर लिया जाएगा।

### सत्रीय कार्य जमा करना

आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सत्रांत परीक्षा देने से पहले आप सत्रीय कार्य अवश्य जमा करा दें। इसलिए आपको यह सलाह दी जाती है कि आप इसे दी गई अवधि के भीतर पूरा कर लें। एम.ए. द्वितीय वर्ष में आपको कुल मिलाकर 4 सत्रीय कार्य करने हैं। लेकिन अगर आपने एमपीएससी–003 और एमपीएससी–004 पाठ्यक्रमों का चयन किया है तो आपको कुल मिलाकर 5 सत्रीय कार्य करने होंगे। सभी सत्रीय कार्यों की जमा करने की अंतिम तारीख 31 मार्च 2024 है लेकिन आपको हम यह सलाह देना चाहते हैं कि आप अपने पाठ्यक्रम के अध्ययन के साथ-साथ इसे बारी-बारी से पूरा करते चलें और इसी हिसाब से आप उसे जमा भी करते जाएँ ताकि आपको अंक, परामर्शदाता की टिप्पणी और मूल्यांकित सत्रीय कार्य मिलते रहें। सुनियोजित ढंग से योजना बनाकर आप निर्धारित अवधि के भीतर अपने सारे सत्रीय कार्य पूरे कर सकते हैं । सभी सत्रीय कार्यों को जमा करने के लिए अंतिम तारीख का इंतजार नहीं करें क्योकि एक ही साथ सारे सत्रीयकार्यो को हल करना आपके लिए मुश्किल हो जाएगा। सत्रीय कार्य जमा करने की निर्धारित तिथियाँ नीचे सारणी में दी गई हैं:

| सत्र | सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख | सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान |
|---|---|---|
| **जुलाई 2023 सत्र के विद्यार्थियों के लिए** | **31 मार्च 2024** | **अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास** |
| **जनवरी 2024 सत्र के विद्यार्थियों के लिए** | **30 सितम्बर 2024** | **अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास** |

सवालों का जवाब देने से पहले नीचे दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए:

## सत्रीय कार्य के लिए निर्देश

इन सत्रीय कार्यों में दो तरह से सवाल पूछे जाएँगेः

1) प्रत्येक **विवरणात्मक और निबंधात्मक प्रश्नों** का उत्तर लगभग **500 शब्दों** में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए **20 अंक** निर्धारित होंगे।

2) प्रत्येक **लघु श्रेणी प्रश्नों** का उत्तर लगभग **250 शब्दों** में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए **10 अंक** निर्धारित होंगे।

निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखने से आपके लिए उत्तर देना आसान होगाः

क) **नियोजन** : सत्रीय कार्यों को ध्यान से पढ़िए। उन इकाइयों को ध्यान से पढ़िए जिनसे ये सवाल पूछे गए हैं। प्रत्येक सवाल का जवाब देने के लिए कुछ प्रमुख बिन्दुओं को अलग से लिख लें और इन्हें तार्किक ढंग से फिर से व्यवस्थित कर लें।

ख) **चयन** : अपने जवाब की रूपरेखा बनाते समय जरूरी बातों का ही उल्लेख करें। उत्तर को विश्लेषणात्मक बनाएँ। निबंधात्मक प्रश्न में प्रस्तावना और निष्कर्ष अवश्य शामिल करें। प्रस्तावना के अन्तर्गत उत्तर के प्रमुख पक्षों को प्रस्तुत करें और यह बताएँ कि आप इस सवाल का जवाब किस तरह से देने जा रहे हैं। अपने उत्तर के उपसंहार में मुख्य बिन्दुओं का सार भी दें।

उत्तर देते वक्त इस बात का ध्यान रखें किः

- आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो,
- वाक्यों और अनुच्छेद के बीच स्पष्ट संबंध हो,
- आपकी शैली, अभिव्यक्ति और प्रस्तुति के साथ-साथ आपके उत्तर भी सही हों,
- यह चेष्टा करें कि आपके उत्तर शब्द सीमा से अधिक न हों।

ग) **प्रस्तुति** : जब आप संतुष्ट हो जाएँ तो सत्रीय कार्य जमा करने से पहले इसे साफ-साफ लिख लें। जिन बिंदुओं पर आप बल देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित भी कर सकते हैं।

घ) **व्याख्या** : इतिहास लेखन में व्याख्या एक निंरतर प्रक्रिया है। यह आपकी योजना और चयन में पहले ही अभिव्यक्त हो चुका है। "हो सकता है", "संभव है", "हो सकता था", आदि जैसी व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ खुद ब खुद लेखन में व्याख्या के तथ्य शामिल कर लेती हैं। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि इस प्रकार की टिप्पणियों के साथ-साथ आपके उत्तर में इसे पुष्ट करने वाले तथ्य भी शामिल होने चाहिए।

## एम.एच.आई.-03: इतिहास-लेखन
## अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

**पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-03**
**सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-03/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2023-24**
**पूर्णांक : 100**

**नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**

### भाग-क

1. कारण-कार्य सम्बंध क्या है? किसी ऐतिहासिक घटना की व्याख्या करने के लिए इतिहासकारों द्वारा प्रयुक्त कारण-कार्य की विधि की विवेचना कीजिए। **20**

2. पारम्परिक चीनी इतिहास लेखन की प्रमुख विशिष्टताओं की चर्चा कीजिए। **20**

3. इतिहास लेखन के अनाल स्कूल पर एक टिप्पणी लिखिए। **20**

4. मुगल काल के दौरान इतिहास लेखन की इंडो-फारसी परम्परा की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए। **20**

5. प्रत्यक्षवादी परम्परा का निर्माण करने वाली इतिहास लेखन की विभिन्न परम्पराओं का विश्लेषण कीजिए। **20**

### भाग-ख

6. उत्तर आधुनिकतावाद क्या है? इतिहास पर उत्तर आधुनिकतावादी दृष्टिकोण की विवेचना कीजिए। **20**

7. भारतीय इतिहास के बारे में औपनिवेशिक इतिहास लेखन पर एक टिप्पणी लिखिए। **20**

8. 'सबाल्टर्न' शब्द से आप क्या समझते हैं? भारत में सबाल्टर्न अध्ययन के दो चरणों की विवेचना कीजिए। **20**

9. भारतीय पुनर्जागरण के बारे में परस्पर-विरोधी मतों पर एक टिप्पणी लिखिए। **20**

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लगभग 250 शब्दों **(प्रत्येक)** में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : **10+10**

    क) कल्हण और **राजतरंगिणी**

    ख) आरम्भिक भारतीय इतिहास लेखन

    ग) भारत में स्त्रीवादी इतिहास लेखन

    घ) कैम्ब्रिज स्कूल

## एम.एच.आई.-06: भारत में विभिन्न युगों के दौरान सामाजिक संरचना का विकास
## अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

**पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-06**
**सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-06/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2023-24**
**पूर्णांक : 100**

**नोट : यह सत्रीय कार्य दो भागों में बंटा है। आपको हर भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 500 शब्दों में) अवश्य देने हैं। कुल मिलाकर आपको पांच प्रश्नों के उत्तर देने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**

### भाग-क

1. प्राचीन भारत के इतिहास लेखन में वस्तुनिष्ठता और व्याख्या की भूमिका पर चर्चा कीजिए। **20**

2. नवपाषाणकालीन समाज की प्रकृति पर टिप्पणी कीजिए। **20**

3. वैदिक काल में रीति-रिवाज समाज की प्रकृति के बारे में क्या प्रकाश डालते हैं। विस्तार से विवेचना कीजिए। **20**

4. सामाजिक-धार्मिक और बौद्धिक उथल-पुथल, जिसने बौद्ध और जैन धर्म के उदय को चिन्हित किया, पर टिप्पणी कीजिए। **20**

5. प्रारम्भिक मध्यकालीन समाज से क्या अभिप्राय है? चर्चा कीजिए। **20**

### भाग-ख

6. प्रायद्वीपीय भारत में ग्रामीण समाज की प्रकृति पर टिप्पणी कीजिए। **20**

7. बी. डी. चटोप्पाध्याय और एन. ज़िग्लर (N. Ziegler) के शोध के संदर्भ में राजपूतों के उदय व उत्थान पर चर्चा कीजिए। **20**

8. आप उपनिवेशवाद के तहत जनजातियों का अध्ययन कैसे करते हैं? चर्चा कीजिए। **20**

9. क्या उपनिवेशवाद ने जातियों की धारणाओं को आकार दिया? चर्चा कीजिए। **20**

10. राष्ट्रीय आंदोलन में महिलाओं की सहभागिता पर टिप्पणी कीजिए। **20**

## एम.एच.आई.-08: भारत में पारिस्थितिकी और पर्यावरण का इतिहास
## अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

**पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-08**
**सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-08/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2023-24**
**पूर्णांक : 100**

**नोट : यह सत्रीय कार्य दो भागों में बंटा है। आपको हर भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 500 शब्दों में) अवश्य देने हैं। कुल मिलाकर आपको पांच प्रश्नों के उत्तर देने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**

### भाग-क

1. क्या आप सहमत हैं कि औपनिवेशिक भारत का पर्यावरण इतिहास व्यवधानों और शोषण का इतिहास है? मूल्यांकन कीजिए। **20**

2. उत्तरी भारत के मैदानों की भौतिक विशेषताओं पर एक टिप्पणी लिखिए। **20**

3. भारत में जल अधिकारों को परिभाषित करने वाले विभिन्न सिद्धांतों पर चर्चा कीजिए। **20**

4. संरक्षण के भारतीय दृष्टिकोण का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। **20**

5. भारत में आखेटन-संग्रहण करने वाले समुदायों के भौगोलिक प्रसार पर एक टिप्पणी लिखिए। **20**

### भाग-ख

6. भारतीय औपनिवेशिक वन नीति की प्रमुख विशेषताओं की चर्चा कीजिए। **20**

7. विकास और पर्यावरण संबंधी चिंताओं की जांच करने वाले विभिन्न दृष्टिकोणों पर एक नोट लिखिए। **20**

8. नदियों को जोड़ने वाली परियोजना और राष्ट्रीय जल ग्रिड का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। **20**

9. जैव विविधता के अर्थ और महत्व पर एक टिप्पणी लिखिए। **20**

10. बौद्धिक संपदा अधिकारों (TRIPS/ट्रिप्स) के व्यापार संबंधी पहलुओं के प्रावधानों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। **20**

## एम.एच.आई.-09: भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन
## अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

**पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-09**

**सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-09/ए.एस.टी./टी.एम.ए/2023-24**
**पूर्णांक : 100**

**नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**

### भाग-क

1. राष्ट्र और राष्ट्रवाद के उदय के बारे में आधुनिकतावादी सिद्धांतों की विवेचना कीजिए। **20**

2. आर्थिक राष्ट्रवाद के विचार की व्याख्या कीजिए। इसके आरम्भिक चिन्तकों के मुख्य विचारों की चर्चा कीजिए। **20**

3. 1920 और 1930 के दशकों के दौरान क्रांतिकारी राष्ट्रवादियों की विचारधारा और कार्यवाहियों का वर्णन कीजिए। **20**

4. नागरिक अवज्ञा आन्दोलन की सफलताओं और असफलताओं का विश्लेषण कीजिए। **20**

5. निम्नलिखित में **किन्हीं दो** पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

   क) राष्ट्रवाद पर गैर-आधुनिक सिद्धांत

   ख) स्वराज पार्टी के राजनीतिक विचार

   ग) महात्मा गांधी का दर्शन

   घ) 1937-39 के दौरान कांग्रेस मंत्रिमंडलों की उपलब्धियां

### भाग-ख

6. भारत छोड़ो आंदोलन की ओर ले जाने वाले राजनीतिक घटनाक्रमों का रेखांकन कीजिए। **20**

7. राष्ट्रवाद और कृषक वर्ग के बीच के संबंधों पर विभिन्न इतिहासकारों के विचारों की विवेचना कीजिए। **20**

8. जन गोलबंदी का गांधीवादी तरीका किस प्रकार से महिलाओं को सार्वजनिक जीवन में लाने में सफल रहा? **20**

9. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के विरासत की मुख्य शक्तियों और कमजोरियों का विश्लेषण कीजिए। **20**

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

    क) भारतीय संविधान की मुख्य विशेषताएं

    ख) 1932 का पूना समझौता

    ग) प्रारम्भिक दौर में राष्ट्रवादी और मजदूर

    घ) पाकिस्तान की मांग और इसके परिणाम

## एम.एच.आई.-10: भारत में नगरीकरण
## अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

**पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-10**

**सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-10/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2023-24**
**पूर्णांक : 100**

**नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें। सत्रीय कार्य दो भागों में क एवं ख में विभाजित है। आपको प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**

### भाग-क

1. पुरातात्विक अभिलेखों में नगरवाद के स्थानिक पहलू किस तरह से प्रतिबिम्बित है? हड़प्पा सभ्यता के संदर्भ में टिप्पणी कीजिए। **20**

2. प्रारम्भिक ऐतिहासिक नगरीय केन्द्रों की प्रमुख विशेषताओं का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। **20**

3. छठी शताब्दी बी सी ई में नगरीय केन्द्रों के उदय के पश्चात् के स्थान की अवधारणा की चर्चा कीजिए। **20**

4. 'प्रारम्भिक ऐतिहासिक केन्द्रों से भिन्न प्रारम्भिक मध्यकालीन केन्द्र स्थानीय विनिमय में मुख्यतः नोडल बिन्दु थे'। टिप्पणी कीजिए। **20**

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लगभग **250 शब्दों** (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

   क) लेफेब्र की स्थान की अवधारणा
   ख) पुर्तगाली नगरः पोलिसगार्किक
   ग) हड़प्पा की शवाधान प्रथाएँ
   घ) भीर टीला

### भाग-ख

6. दिल्ली सुल्तानों के अधीन नगरीकरण की प्रक्रिया की चर्चा कीजिए। **20**

7. 'तंजावुर चोलों की राजनीतिक इच्छा द्वारा मुख्य 'समारोह' केन्द्र के रूप में उभरा'। टिप्पणी कीजिए। **20**

8. बनारस के पवित्र क्षेत्रों और *खंडों* का विश्लेषण कीजिए। इसने शहर के भू-परिदृश्य को किस प्रकार प्रभावित किया? **20**

9. नहर कालोनियों की उत्पत्ति का वर्णन कीजिए। इसके क्या प्रभाव थे? इसने किस प्रकार नगरीय क्षेत्रों को परिवर्तित किया? **20**

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लगभग **250 शब्दों** (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

    क) मांडू राजधानी नगर
    ख) मसूलीपट्टनम
    ग) कच्छ-गुजरात क्षेत्र में नगर
    घ) इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट (Improvement Trusts)

## एम.पी.एस.ई.–003 : पश्चिमी राजनीतिक चिंतन (प्लेटो से मार्क्स तक)

## अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

**सत्रीय कार्य कोडः ए.एस.एस.टी./एम.पी.एस.ई.–003/2023-24**
**पूर्णांकः 100**

**इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।**

### भाग – क

1. पश्चात्य राजनीतिक चिंतन की प्रकृति और संदर्भ की जांच कीजिए।
2. प्लेटो के राजनीतिक सिद्धांत के दार्शनिक आधारों की चर्चा कीजिए।
3. अरस्तू के क्रांति सिद्धांत पर एक लेख लिखिए।
4. सेंट थामस एक्विनॉस के 'वृहद् संश्लेषण' के बारे में क्या कहा गया है? विस्तारपूर्वक बताइये।
5. मैक्यावली के सार्वभौमिक अहम् की अवधारणा को विस्तारपूर्वक बताइये।

### भाग – ख

**निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों में लघु टिप्पणी लिखिए।**

6. क) प्राकृतिक कानूनों और सहमतिपत्र (covenant) पर थॉमस हॉब्स
   ख) सामाजिक समझौते और नागरिक समाज पर जॉन लॉक

7. क) रूसो का सार्वजनिक वसीयत (General Will) का सिद्धांत
   ख) एडमण्ड बर्क की फ्रांसीसी क्रांति की समालोचना

8. क) सुसंगत आदेशात्मक उत्तराधिकार के लिए इमैनुअल कॉट
   ख) बैथम का राजनीतिक दर्शन

9. क) लोकतंत्र, क्रांति और आधुनिक राज्य पर तॉकवि
   ख) महिलाओं के समान अधिकारों पर जे. एस. मिल

10. क) हेगेल का आदर्शवाद
    ख) अधिशेष मूल्य का मार्क्स का सिद्धांत

## एम.पी.एस.ई.–004 : आधुनिक भारत में सामाजिक एवं राजनीतिक चिंतन
## अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

**सत्रीय कार्य कोडः ए.एस.एस.टी./एम.पी.एस.ई.–004/2023-24**
**पूर्णांकः 100**

**इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।**

### भाग – क

1. प्राचीन भारत में राज्य और संप्रभुता की चर्चा करें।
2. 19वीं शताब्दी में भारत के पुर्ननिर्माण पर एक निबंध लिखें।
3. औपनिवेशिक भारत में मुस्लिम चिंतन के अनुसरण मार्ग का पता लगाइये।
4. स्वामी दयानन्द सरस्वती के धार्मिक–राजनीतिक विचारों को विस्तार से बताइये।
5. राष्ट्रवादी आंदोलन मे लाल–बाल–पाल के महत्व का वर्णन करें।

### भाग – ख

**निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों में लघु टिप्पणी लिखिए।**

6. क) हिंदू धर्म के पुर्नजागरण पर श्री अरोबिन्दो के विचार
   ख) सामाजिक सुधारों पर वी. डी. सावरकर

7. क) राष्ट्रवाद पर मौलाना मदूदी के विचार
   ख) आदिवासी पहचान के प्रणेता के रूप में जयपाल सिंह

8. क) न्यासिता (trusteeship) पर गांधी के विचार
   ख) नेहरू का संस्कृति का सिद्धांत

9. क) संवैधानिक लोकतंत्र पर डॉ. बी. आर. अम्बेडकर
   ख) एम.एन. रॉय का क्रांतिकारी मानवतावाद

10. क) भारतीय क्रांति की रणनीति पर ईएमएस नंबुदरीपाद
    ख) जयप्रकाश नारायण का समाजवादी चिंतन